माफिया जाग रहे हैं, सरकारी सिस्टम सो रहा है

खास बातें

- आधी रात में निकलते हैं मुरम से भरे डंपर
- विदिशा में धड़ल्ले से चल रहा अवैध उत्खनन

नवभारत न्यूज

विदिशा 15 जनवरी, शहर के आसपास ही करीब आधा दर्जन से ज्यादा गांवों में खनिज माफिया बेहद सक्रिय हैं. रोजाना देर शाम से लाल मुरम और मिट्टी का परिवहन किया जा रहा है. किसानों से एग्रीमेंट करके मिट्टी और मुरम निकाली जा रही है.खनिज माफियाओं के उत्खनन का खेल दिन रात चल रहा है और खनिज विभाग व सरकारी सिस्टम सौ रहा है. बुधवार की रात में ही करीब आधा दर्जन से ज्यादा डंपर और जेसीबी नई मंडी मिर्जापुर के आसपास देखी गई. रात के अंधेरे में मुरम खोद कर बेंची जा रही है. यह मुरम विदिशा के चारों तरफ निकाली जा रही है. बताया गया कि जितने इलाके की परमिशन होती है उससे ज्यादा इलाके में से मुरम निकाली ली जाती है. खनिज विभाग के अधिकारी इसकी जांच पड़ताल करने नहीं पहुंचते हैं.

जानकारों ने बताया कि खनिज माफिया लालच देकर किसानों की जमीन से लाल मिट्टी का अवैध उत्खनन किया जा रहा है और यह मिट्टी धड़ल्ले से बाजार में बेंची जा रही है. सूत्रों के मुताबिक, कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा किसानों को मोटे पैसे का लालच देकर उनकी उपजाऊ जमीन को खोखला किया जा रहा है. खेतों में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे भविष्य में खेती करना मुश्किल हो जाएगा. इसके बावजूद खनिज विभाग सक्रिय नहीं है. लंबे समय से खनिज विभाग ने किसी भी बड़े खनिज माफिया पर कार्यवाही नहीं की है. ग्रामीणों का कहना है कि अवैध उत्खनन में लगे वाहन दिन-रात सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जिससे सड़कें भी क्षतिग्रस्त हो रही हैं और हादसों का खतरा बढ़ गया है. कई बार शिकायतें करने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं, जिससे साफ जाहिर होता है कि कहीं न कहीं मिलीभगत है. किसानों की मजबूरी का फायदा उठाने वाला यह अवैध कारोबार.

करोड़ों की सड़कें कर दी खराब, अब निकलना हुआ मुशकिल

बसंल कंपनी ने लीज लेकर शहर के आसपास के इलाकों से लाल मुरम और कोपरा निकाला था जिसके चलते भी करीब आधा दर्जन से ज्यादा गांव की सड़के खराब हो चुकी है. करोड़ी की लागत से बनी सड़कें अब ऐसी हो चली हैं कि अब गांव वाले इन सड़कों से नहीं निकल पा रहे हैं.कुछ गांव की सड़कों की हालत तो यहां तक खराब हो चली हैं.गांव वाले दो पहिया वाहन मुशकिल से चला पा रहे हैं. इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है. कई खनिज माफियाओं के संबंध रसूखदार नेताओं से हैं जिसके चलते भी अधिकारी कार्यवाही करने पर ज्यादा जोर नहीं देते.

कालोनियों को मिल जाता है ठेका

शहर और उसके आसपास जो कालोनियां आकार ले रही हैं उनमें कटने वाले प्लाटों का समतल बनाने के लिए बड़े पैमाने पर लाल मुरम और मिट्टी की जरुरत होती है जिसकी पूर्ति करने के लिए लाल मुरम और मिट्टी का परिवहन किया जा रहा है.सागर रोड पर उदयनगर कालोनी के से लेकर पीतलमील तरफ मुरम से भरे डंपर दिन भर निकलते हुए देखे जा सकते हैं.

एक साथ चार चिताएं जलने से गांव में पसरा मातम, नम हुई आंखें

नवभारत न्यूज

सिरोंज 15 जनवरी, भोपाल रोड पर बैरसिया के पास बुधवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई. जबकि कई लोगों के घायल हो गये. जिसके बाद गुरुवार को चार मृतकों का अंतिम संस्कार गांव मसूड़ी में किया गया. जबकि एक मृतका का अंतिम संस्कार ग्राम सगड़ा में किया गया. इस दौरान गांव में गम का माहौल रहा. ग्राम मसूड़ी में एक साथ चार चिताएं जलने से ग्रामीणों की आंखे नम रही. इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे.

जानकारी के अनुसार सिरोंज से कई लोग लोडिंग वाहन में सवार होकर बुधवार को नर्मदापुरम जा रहे थे. तभी बैरसिया के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली से इनकी भिड़ंत हो गई. हादसा इतना भीषण था कि घटना में 5 लोगों की मौत हो गई. जबकि कई लोग घायल हो गए. हादसे के बाद घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया. जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है. वही ग्राम मसूड़ी में गुरुवार को चार मृतकों मुकेश, दीपक, लक्ष्मीबाई व बबरी बाई का अंतिम संस्कार किया गया. इस दौरान गांव में गम का माहौल रहा. जबकि मृतका हरिबाई का सगड़ा गांव में अंतिम संस्कार किया गया. इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे.

जिले के 1849 कृषकों को लाभान्वित करने का लक्ष्य

नवभारत न्यूज

विदिशा, प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना के प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन हेतु विदिशा जिले को योजना के अंतर्गत जिले के कुल 1849 कृषकों को लाभ प्रदान करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है. मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध संचालक अमन वीर सिंह बैस द्वारा जारी पत्र का हवाला देते हुए किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के उप संचालक श्री केएस खपड़िया ने बताया कि पीएम कृषक मित्र सूर्य योजना का मुख्य उद्देश्य कृषकों को सौर ऊर्जा आधारित सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी खेती की लागत को कम करना एवं ऊर्जा के वैकल्पिक, स्वच्छ एवं टिकाऊ स्रोत को बढ़ावा देना है. योजना के माध्यम से किसानों को सौर पंप एवं अन्य सौर उपकरणों का लाभ मिल रहा है.

सड़क पर मिला युवक का शव, सिर पर गंभीर चोट के निशान

नवभारत न्यूज

पठारी, क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से सनसनी फैल गई,युवक का शव पठारी हासमपुर मार्ग पर सड़क किनारे पड़ा मिला, जिसे देखकर राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी. मृतक के सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे मामला संदिग्ध माना जा रहा है.सूचना मिलने पर पठारी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. मृतक की पहचान जीवन सेन पुत्र गिरधारी सेन निवासी शहरवासा, थाना त्योंदा के रूप में हुई है.पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा.

विदिशा हनुमान घाट पर हुई कुश्ती, मकर संक्रांति पर पीढ़ियों पुरानी परंपरा का निर्वहन

नवभारत न्यूज

विदिशा, मकर संक्रांति के पावन पर्व पर आस्था और शक्ति का अनूठा संगम प्रसिद्ध हनुमान घाट पर देखने को मिला। यहां वर्षों से चली आ रही कुश्ती की गौरवशाली परंपरा को इस वर्ष भी पूरी भव्यता के साथ निभाया गया. इस दंगल का सफल आयोजन खेमचंद उस्ताद महाकाल छालदिवाली अखाड़ा के नेतृत्व में संपन्न हुआ. खेमचंद उस्ताद के मार्गदर्शन में अखाड़े के पहलवानों ने मिट्टी में अपने दांव-पेंच दिखाए.

कड़ाके की ठंड के बीच पहलवानों का उत्साह और दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट ने माहौल को ऊर्जा मय बना दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह प्रतियोगिता उनके पूर्वजों के समय से चली आ रही है और नई पीढ़ी आज भी इसे पूरी निष्ठा से आगे बढ़ा रही है. श्रद्धालुओं ने बेतवा नदी में पुण्य स्नान करने के बाद अखाड़े की मिट्टी को नमन किया और पहलवानों का हौसला बढ़ाया.खेमचंद उस्ताद द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता ने एक बार फिर विदिशा की प्राचीन अखाड़ा संस्कृति और पारंपरिक खेल प्रेम को जीवंत कर दिया है.

समाज की प्रतियोगिता में आरती रही अव्वल

नवभारत न्यूज

पठारी, अहिरवार समाज संघ के 26 में स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया.मकर संक्रांति के पुनीत पावन अवसर पर बीना समारोह का आयोजन किया गया. जिसमें बड़ोह निवासी आरती अहिरवार ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया. जिसमें प्रमुख रूप से कुर्सी दौड़ और जलेबी दौड़ में प्रथम स्थान अर्जित कर अब्बल रही.जिन्हें बीना विधायक निर्मला सप्रे, अहिरवार समाज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ जगदीश सूर्यवंशी, उपाध्यक्ष हनुमत सिंह बौद्ध, प्रांतीय अध्यक्ष एमएल वर्मा, तेजसिंह अहिरवार डमरू लाल परसोत्तम भागचंद राहुल संतोष अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया.

मकर संक्रांति पर जगदीश स्वामी मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

नवभारत न्यूज

विदिशा, प्रसिद्ध धार्मिक स्थल जगदीशपुरी मानोरा स्थित जगदीश स्वामी मंदिर में मकर संक्रांति के पावन पर्व पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. मान्यता है कि यहां भगवान स्वयं भक्तों को साक्षात दर्शन देते हैं.

इस शुभ अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति मेला ग्राउंड में भव्य मेले का आयोजन भी किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन व मेले का आनंद लेने पहुंचे. सुबह 5 बजे से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। देर शाम तक दूर-दराज क्षेत्रों से श्रद्धालु अपने परिवारजनों के साथ विभिन्न साधनों से भगवान जगदीश स्वामी के दर्शन हेतु पहुंचते रहे। श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धा-भाव से पूजा-अर्चना कर पुण्य लाभ अर्जित किया. मंदिर के पुजारी भगवती प्रसाद ने बताया कि भगवान जगदीश स्वामी जी अपनी बहन सुभद्रा एवं भाई बलदाऊ जी के साथ विराजमान हैं। यहां ऐसी मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु सच्चे मन से भगवान से मन्नत मांगता है, उसकी इच्छा अवश्य पूर्ण होती है और उसे मनवांछित फल की प्राप्ति होती है. विशेष रूप से तीज-त्योहारों एवं ग्यारस के अवसर पर यहां भक्तों की अपार भीड़ देखने को मिलती है. उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष आषाढ़ सुदी दूज के दिन यहां विशाल मेले का आयोजन होता है, जिसमें लाखों श्रद्धालु भगवान के दर्शन कर मेले का आनंद लेते हैं. मकर संक्रांति के अवसर पर श्रद्धालुओं ने सर्वप्रथम भगवान के दर्शन किए, तत्पश्चात परिवार सहित मेले में पहुंचकर विभिन्न झूलों, दुकानों व मनोरंजन के साधनों का लुत्फ उठाया. इसी के साथ मेला ग्राउंड में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रसिद्ध कथावाचक पंडित मनमोहन तिवारी अपनी मधुर वाणी से भगवान श्रीकृष्ण की विविध लीलाओं का सुंदर वर्णन कर रहे हैं. कथा श्रवण हेतु बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुये.

पहले मजदूर को 100 दिन काम मिलता था, लेकिन अब 125 दिन

भारत रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन वीबी रामजी योजना की दी जानकारी

नवभारत न्यूज

विदिशा, गुरुवार को पंचायत एवं ग्रामीण मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा केंद्र सरकार द्वारा आयोजित की गई वीबी जी राम जी योजना को लेकर एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस को गांधी जी के नाम हटाने से आपत्ति नहीं है बल्कि भगवान श्री राम के नाम से कांग्रेस को हमेशा आपत्ति रही है.

उन्होंने कहा कि वीबी जी राम जी योजना के तहत मजदूरों को 7 दिन में भुगतान किया जाएगा और अगर किसी मजदूर को 15 दिन तक काम नहीं मिला तो उन्हें बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जब मैं मध्यप्रदेश की सरकार बनते ही आया तो मैंने पाया कि 7 लाख 50000 जॉब कार्ड बने थे, कोई भी मजदूर काम नहीं मांगता था, लेकिन सरपंच जरूर काम मांगने आते थे. उन्होंने कहा कि पहले मजदूर को 100 दिन काम मिलता था, लेकिन अब 125 दिन मजदूरों को पंचायत द्वारा काम दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि कृषि कार्य के दौरान 60 दिनों के लिए योजना में काम न करने के लिए सरकार द्वारा कानून बनाने की तैयारी की जा रही है. उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में फसलों की कटाई और अन्य कार्य होने के कारण 60 दिनों तक योजना के तहत काम नहीं कराया जाएगा ताकि मजदूर कृषि के कार्य में काम कर सकें.इसके साथ ही उन्होंने अन्य कई योजनाओं की उपलब्धियां के बारे में जानकारी दी और कहा कि वीबी जी राम जी योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे मजदूरों की आर्थिक स्थिति सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी. इस अवसर पर शमशाबाद विधायक सूर्य प्रकाश मीणा, कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे, विदिशा विधायक मुकेश टंडन आदि मौजूद थे.

कनारा क्रिकेट ट्राफी | **मंत्री प्रहलाद पटेल की उपस्थिति में हुआ समापन समारोह**

इंडियन नेवी बनी चैंपियन, फाइनल में फरीदाबाद को 16 रनों से हराया

नवभारत न्यूज

विदिशा, गुरूवार को 56वें कनारा क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन हो गया. खिताबी मुकाबले में इंडियन नेवी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फरीदाबाद को 16 रनों से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की. समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश शासन के मंत्री प्रहलाद पटेल उपस्थित रहे. फाइनल मुकाबले में इंडियन नेवी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का फैसला किया.

टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 202 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया. नेवी की ओर से मोहित अहलावत ने आक्रामक बल्लेबाज़ी करते हुए मात्र 25 गेंदों में 60 रन बनाए. इसके अलावा कुंवर पाठक ने 29 और शुभम रोहिल्ला ने 23 रनों का योगदान दिया. फरीदाबाद की ओर से प्रांजल सिंह ने बेहतरीन गेंदबाज़ी करते हुए 4 विकेट झटके. लक्ष्य का पीछा करने उतरी फरीदाबाद की टीम की शुरुआत खराब रही, लेकिन मध्य क्रम में कृष्णा भदाना (55 रन), हर्ष यादव (60 रन) और शिवांश मिश्रा (54 नाबाद) ने टीम को मैच में बनाए रखा. हालांकि, अंतिम ओवरों में इंडियन नेवी के पूनम पूनिया (4 ओवर, 28 रन, 3 विकेट) की घातक गेंदबाज़ी के आगे फरीदाबाद की टीम 20 ओवरों में 186/6 रन ही बना सकी और 16 रनों से मैच हार गई.

इस दौरान विधायक मुकेश टंडन, नगर पालिका अध्यक्ष प्रीति राकेश शर्मा, कलेक्टर अंशुल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी उपस्थित रहे. मंच पर क्लब के पूर्व अध्यक्ष मेहताब सिंह यादव, पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मीकांत मरखेड़कर, संस्थापक सदस्य शंकरलाल गोयल, बीडीसीए संयुक्त सचिव संदीप सिंह, वात्सल्य ग्रुप के प्रतीक कोहली, बालाजी ग्रुप के मयंक जैन, राधिकाशरण दास और नागेंद्र लोधी सचिव, कप्तान यादव उपस्थित थे.

जीवन में जब तक आपसी स्नेह व खुशी है जीवन रूपी पतंग उड़ती रहेगी- ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय चर्च वाली गली बरेठ रोड स्थित सेवा केंद्र द्वारा मकर संक्रांति का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया जिसमें सर्वप्रथम दिव्यगुणो से सुन्दर सजी पतंगों को सभी ने मिलकर उड़ाया जिसमें सुख, शांति, आनंद, प्रेम, पवित्रता, खुशी, आनन्द आदि अध्यात्मिक संदेश दे रहे थे. भारत में मकर संक्रांति का पर्व हरियाली, सुख, समृद्धि, अन्न से भरपूर होने का प्रतीक है.ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने उपस्थित लोगों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पवित्र पर्व है जो मनुष्य को जीवन श्रेष्ठ बनाने का संदेश देता है.

मकर संक्रांति पर सूर्य मकर राशि की और आगे गमन करता है दिन परिवर्तन होता है खुशियों भरा त्यौहार है जिसमें पतंग उड़ाने का आध्यात्मिक अर्थ यही है हम जीवन में खूब उन्नति करें पंख लगा कर उड़े, हिम्मत और साहस के साथ उड़े, जीवन में खूब तरक्की करें लेकिन स्नेह की डोर के साथ बंधे रहना मर्यादाओं की, नियम की और संयम की तभी हमारे जीवन में सुख शांति संभव है. जीवन में कई बातें उलझाने वाली होती हैं हमारे अंदर मनमोटाव हो जाता है ऐसे समय पर हमें उन बातों को भूलना होता है अर्थात ढील देना होता है जिससे संबंध मजबूत बने रहते हैं मकर संक्रांति पर तिल गुड़ के लड्डू एक दूसरे को खिलाए जाते हैं और मीठी-मीठी बातें बोली जाती हैं अर्थात हमें एक दुसरे से स्नेह और प्यार से मीठे बोल बोलना है. जीवन की डोर पतंग की भांति कस कर पकड़ कर रखना चाहिए. साथ ही उड़ने के लिए अध्यात्म और मूल्य के जरिए जीवन को सहेजने का प्रयास करना चाहिए. इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी ने कहा कि यह पर्व खुशियों का संदेश देता है.जीवन में जब तक आपसी स्नेह व खुशी है जीवन रुपी पतंग उड़ती रहेगी.इसके साथ ही पूरा परिवार खुशियों के डोर में उड़ने लगेगा. परमात्मा के हाथ में जीवन की डोर देने से पूरा परिवार खुशहाल रहेगा। अंत में सभी ने बैलून के साथ पतंगों को आकाश में छोड़ा दीदी ने सभी का मुख मीठा कराया वा आपसी स्नेह और प्यार से रहने की सीख दी अधिक संख्या में लोगों ने कार्यक्रम का लाभ लिया.